छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

फोन नं:-07162-292970 **मेल: -registrarchhiuni@mp.gov.in**

पत्र क्रमांक **6033** / परीक्षा / छि.वि.छि. / 2021 दिनांक : **21** / 10 / 2021

/ / अधिसूचना / /

(नियमित द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर एम.ए. / एम.कॉम. / एम.एस.सी. / बी.एड. / बी.ए.बी.एड. / बी.एस.सी. बी.एड. / एल.एल.बी. / बी.ए.एल.एल.बी. / पी.जी.डी.सी.ए.एवं स्वाध्यायी द्वितीय सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (अंतिम वर्ष) एम.ए. / एम.कॉम. / एम.एस.सी. (गणित) की समय सारणी एवं निर्देश)

द्वितीय अवसर परीक्षा हेतु

सर्व संबंधितों के सूचनार्थ कोरोना (कोविड-19) के संक्रमण के परिप्रेक्ष्य में तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए शासन के निर्देशानुसार यह अधिसूचित किया जाता है कि सत्र 2020-21 की छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की **नियमित द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर एम.ए. / एम.कॉम. / एम.एस.सी. / बी.एड. / बी.ए.बी.एड. / बी.एस.सी.बी.एड. / एल.एल.बी. / बी.ए.एल.एल.बी. / पी.जी. डी.सी.ए.** एवं **स्वाध्यायी द्वितीय सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (अंतिम वर्ष) एम.ए. / एम.कॉम. / एम.एस.सी. (गणित)** द्वितीय अवसर की परीक्षाएं ओपन बुक पद्धति से आयोजित किये जाने हेतु समय सारणी घोषित की जाती है :–

समय सारणी

ओपन बुक पद्धति से आयोजित परीक्षा की कक्षाएं

क्रमांक	कार्य संपादन की तिथियां	परीक्षार्थी एवं महाविद्यालयों द्वारा सम्पादित किये जाने वाले कार्य	रिमार्क
1	22-10-2021	विश्वविद्यालय द्वारा उपरोक्त सभी कक्षाओं के प्रश्नपत्र विश्वविद्यालय की Website www.cuc.ac.in में अपलोड करना	
2	22-10-2021	परीक्षार्थी द्वारा विश्वविद्यालय की M.P.Online की Website cuc.mponline.gov.in के माध्यम से प्रवेश पत्र व उत्तरपुस्तिका जमा करने की पावती डाऊनलोड किया जाना।	
3	22-10-2021 To 26-10-2021	परीक्षार्थी कक्षावार / विषयवार प्रश्नपत्र www.cuc.ac.in से डाऊनलोड करें एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार उत्तरपुस्तिकाओं में विश्वविद्यालय के दिए गए निर्देशानुसार अपने निवास स्थान पर रहकर स्वलेखन से प्रश्नपत्रों को हल करें।	
4	27-10-2021 To 28-10-2021	परीक्षार्थियों उसी महाविद्यालय में समस्त उत्तरपुस्तिकाएं एक साथ संलग्न समय सारणी में दिये गये तिथियों में जमा करें जहां का वह नियमित विद्यार्थी है एवं स्वाध्यायी परीक्षार्थी उसी महाविद्यालय में जमा करेंगे जहां से परीक्षा आवेदन पत्र अग्रेषित किया गया है।	
5	29-10-2021 To 31-10-2021	महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाना।	
6	29-10-2021 To 02-11-2021	महाविद्यालय द्वारा मूल्यांकन करने के पश्चात अंकों को विश्वविद्यालय की M.P.Online की Website cuc.mponline.gov.in के G2G Login के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रविष्टि करें।	

//परीक्षार्थियों हेतु निर्देश//

(नियमित/स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु)

1. परीक्षार्थियों को उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ (मुख्य पृष्ठ) का प्रारूप विश्वविद्यालय की वेबसाइट तथा विश्वविद्यालय की एम.पी. ऑनलाइन की वेबसाइट पर प्राप्त होगा। परीक्षार्थी उक्त मुख्य पृष्ठ को डाऊन लोड (DOWNLOAD) करेंगे एवं उसमें उल्लेखित सभी कॉलम की पूर्ति करने के उपरांत मुख्य पृष्ठ को अपनी उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के रूप में संलग्न करेंगे। मुख्य पृष्ठ एवं प्रवेश पत्र सहित उत्तरपुस्तिका के कुल पृष्ठों की संख्या 20 होगी, मुख्य पृष्ठ सहित उत्तरपुस्तिका के समस्त पृष्ठ रजिस्टर के ए–4 साईज कागज के होने चाहिए।
2. परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के द्वितीय पृष्ठ के रूप में अपने प्रवेश पत्र की सत्य प्रतिलिपि चस्पा करेंगे या स्टेपल करेंगे।
3. परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर उत्तरपुस्तिका की कुल पृष्ठ संख्या (लिखित पृष्ठों की संख्या सहित) अंकित करेंगे।
4. परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के सभी पृष्ठों को इकट्ठा कर साइड से 01 ऊंगली बराबर मोड़कर ऊपर नीचे और बीच में 03 स्टेपल पिन लगाकर उसे उत्तरपुस्तिका के रूप में बना लेंगे।
5. शब्द सीमा अधिकतम 300 शब्दों में होगी, 300 शब्द से अधिक शब्द होने पर परीक्षार्थी के अंक काटे जावेंगे।
6. परीक्षार्थियों को समस्त प्रश्नपत्र छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा की वेबसाइट (www.cuc.ac.in) में एवं विश्वविद्यालय की एम.पी. ऑनलाइन की वेबसाइट (cuc.mponline.gov.in) में दिनांक 22/10 /2021 से उपलब्ध रहेंगे।
7. परीक्षार्थी समस्त प्रश्नपत्र सूची में उल्लेखित वेबसाइट से अपने साधनों के माध्यम से डाऊनलोड (DOWNLOAD) करेंगे। समस्त प्रश्नपत्रों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उत्तरपुस्तिका में स्वयं अपने निवास में रहकर ही हल करेंगे एवं हल की हुई समस्त उत्तरपुस्तिकाएं एक साथ एक ही समय में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार अपने महाविद्यालय में जमा करेंगे।
8. परीक्षार्थी उत्तर लिखने हेतु केवल काले या नीले बॉल पेन का प्रयोग करेंगे।
9. यदि प्रश्नपत्र का प्रारूप खण्डो में विभाजित है अ,ब,स तो प्रत्येक खंड के लिए नवीन पृष्ठ से उत्तर लिखना प्रारंभ किया जाए अर्थात अ खण्ड के उत्तर समाप्ति के उपरांत खण्ड ब के लिये नवीन पृष्ठ से लिखना प्रारंभ किया जाये एवं खण्ड स के उत्तर अगले नवीन पृष्ठ से प्रारंभ किये जाए।
10. उत्तरपुस्तिका स्वयं लिखित होनी चाहिये। स्वलिखित उत्तरपुस्तिका ना होने की स्थिति में परीक्षा निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।
11. परीक्षार्थी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय अवधि में समस्त उत्तरपुस्तिकाएं एक साथ एवं एक ही समय में **उसी महाविद्यालय में समस्त उत्तरपुस्तिकाएं जमा करेगा जहाँ का वह नियमित विद्यार्थी है एवं स्वाध्यायी परीक्षार्थी उसी अग्रेषण केन्द/परीक्षा केन्द्र में समस्त उत्तरपुस्तिकाएं जमा करेगा जहां से परीक्षा आवेदन अग्रेषित किया गया है।** निर्धारित तिथि पश्चात् उत्तरपुस्तिका स्वीकार नहीं की जाएगी।
12. अपरिहार्य परिस्थितियों में परीक्षार्थी डॉक द्वारा सभी उत्तरपुस्तिकाएं अपने प्रवेश लिए हुए महाविद्यालय के पते (Address) में निर्धारित तिथि में प्रेषित कर सकते हैं।समस्त महाविद्यालय के डाक पते (पोस्टल एड्रेस) संबंधित महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध रहेंगे।
13. परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में कठिनाई हो रही हो तो वे प्रवेश पत्र महाविद्यालय से प्राप्त करेंगे या विश्वविद्यालय से भी प्राप्त कर सकते है एवं किसी प्रकार समस्या होने पर परीक्षार्थी विश्वविद्यालय द्वारा स्थागित परीक्षा कंट्रोल रूम से दूरभाष क्रमांक 07162-292970 पर संपर्क कर सकते हैं।

14. उत्तरपुस्तिकाओं को जमा करने की पावती (RECIEPT) को भी परीक्षार्थी प्रवेश पत्र के साथ ही एम.पी. ऑनलाईन (cuc.mponline.gov.in) एवं छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की वेबसाईट (www.cuc.ac.in) से डाऊनलोड करके प्राप्त कर सकते हैं।
15. परीक्षार्थी दो प्रतियों में उत्तरपुस्तिका को जमा करने की पावती (RECIEPT) डाऊनलोड करेंगे एवं उसमें अंकित समस्त विवरणों की पूर्ति करेंगे तथा इसके पश्चात समस्त उत्तरपुस्तिकाओं के साथ ही इन दोनों पावती को लेकर अपने महाविद्यालय में जायेंगे और इनमें से एक प्रति संग्रहण कर्ता के हस्ताक्षर करवाने के पश्चात अपने पास रखेंगे एवं अपने स्वयं के हस्ताक्षर सहित दूसरी प्रति संग्रहण कर्ता के पास जमा करायेंगे।
16. समस्त उत्तरपुस्तिकाओं को अपने महाविद्यालय में जमा करने की तिथियों की सूचना परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा घोषित समय सारणी के अनुसार प्राप्त हो सकती है।
17. समय–समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर सूचना जारी की जाएगी। विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.cuc.ac.in का अवलोकन करते रहे।
18. **परीक्षार्थी वही प्रश्नपत्र को हल करें जो प्रवेश पत्र में दिये गये है।**

कुल सचिव
छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा

पृ.क्रमांक **6034** / परीक्षा / छि.वि.छि. / 2021 दिनांक : **21** / 10 / 2021

प्रतिलिपीः–

1. निज सचिव माननीय कुलपति महोदय छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की ओर सूचनार्थ।
2. समस्त संबंद्धित महाविद्यालयों के प्राचार्यों की और इस आशय से प्रेषित कि वे विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय समस्त सूचनाएँ विद्यार्थियों के सूचनार्थ महाविद्यालय के सूचना पटल पर आवश्यक रूप से चस्पा करें।
3. परीक्षा नियंत्रक छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की ओर सूचनार्थ।
4. वित्त नियंत्रक छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की ओर सूचनार्थ।
5. नोडल अधिकारी एम पी ऑनलाइन की और इस आशय से प्रेषित कि वे उक्त अधिसूचना को वेबसाइट में अपलोड करें एवं साथ ही एम पी ऑनलाइन भोपाल को अग्रेषित करें।
6. स्थापना नस्ती बाबत।
7. बालाघाट,छिंदवाड़ा,सिवनी एवं बैतूल जिलों के समस्त समाचार पत्रों के सम्मानीय सम्पादकों एवं केबल नेटवर्क के प्रबंधकों को इस अनुरोध के साथ अग्रेषित कि कृपया छात्रहित में इस अधिसूचना को अपने लोकप्रिय समाचार पत्र प्रसार माध्यम के आगामी अंक में समाचार के रूप में निःशुल्क प्रसारित करने की कृपा करें।

सहायक कुल सचिव
छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

क्र.**6037** /परीक्षा/छि.वि.छि/2021 छिंदवाड़ा दिनांक 21/10/2021

//अधिसूचना// द्वितीय अवसर परीक्षा हेतु

समस्त संबंधितों के सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक 6033/परीक्षा/छिविछि/2021 छिंदवाड़ा दिनांक 21/10/2021 के संदर्भ में जारी की गई ओपन बुक पद्धति से आयोजित की जाने वाली परीक्षा की समय–सारणी में उत्तर पुस्तिकायें संबंधित महाविद्यालय में जमा करने की तिथि 23/10/2021 एवं 25/10/2021 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर पुस्तिकायें जमा किये जाने हेतु कक्षावार तिथियां निम्नानुसार घोषित की जाती है :–

उत्तरपुस्तिका जमा करने की समय–सारणी नियमित परीक्षार्थियों हेतु

क्र.	दिनांक	कक्षा	विषय
1	27 & 28 October 2021	द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर नियमित	एम.कॉम, एम.एः– (अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिंदी), बी.ए.बी.एड. (B.A.B.Ed.), बी. एस.सी.बी.एड.(B.Sc.B.Ed.) , बी.एड. B.Ed.), बी.ए.एल.एल.बी, एल.एल.बी
2	27 & 28 October 2021	द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर नियमित	एम.ए. :– (इतिहास, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र, संस्कृत, समाजशास्त्र, समाजकार्य), पी.जी.डी.सी.ए. (P.G.D.C.A.)
3	27 & 28 October 2021	द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर नियमित	एम.एस.–सी :– (बायोटेक्नोलॉजी, वनस्पतिशास्त्र, रसायनशास्त्र, कम्प्यूटर साइंस, भूगर्भशास्त्र, गणित)
4	27 & 28 October 2021	द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर नियमित	एम.एस.–सी. :– (माइक्रोबायोलॉजी, भौतिकशास्त्र, प्राणीशास्त्र), M.H.Sc. गृहविज्ञान :– (आहार एवं पोषण व मानव विकास),

उत्तरपुस्तिका जमा करने की समय–सारणी स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु

क्र.	दिनांक	कक्षा	विषय
1	27 & 28 October 2021	द्वितीय सेमेस्टर/उत्तरार्द्ध (अंतिम वर्ष) स्वाध्यायी	एम.कॉम, एम.ए (अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिंदी),
2	27 & 28 October 2021	द्वितीय सेमेस्टर/उत्तरार्द्ध (अंतिम वर्ष) स्वाध्यायी	एम.ए (इतिहास, राजनीतिशास्त्र, संस्कृत, समाजशास्त्र)
3	27 & 28 October 2021	द्वितीय सेमेस्टर/उत्तरार्द्ध (अंतिम वर्ष) स्वाध्यायी	एम.एस.सी (गणित)
4	27 & 28 October 2021	द्वितीय सेमेस्टर/उत्तरार्द्ध (अंतिम वर्ष) स्वाध्यायी	एम.ए. (लोक प्रशासन, दर्शनशास्त्र)

कुलसचिव
छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा

पृ.क्र. **6038**/परीक्षा/छि.वि.छि/2021 छिंदवाड़ा दिनांक 21/10/2021

प्रतिलिपिः–

1. प्राचार्य समस्त संबद्ध स्वाध्यायी परीक्षा संचालन हेतु अधिकृत महाविद्यालय की ओर भेजकर निवेदन है कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय समस्त सूचनाये महाविद्यालय के सूचना पटल पर आवश्यक रूप से चस्पा करे।
2. नोडल अधिकारी एम.पी. ऑनलाइन छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा की ओर भेजकर निवेदन है कि उक्त अधिसूचना को एम.पी. ऑनलाइन को अग्रेषित करे तथा परीक्षा आवेदन पत्र भरवाने की तैयारी करे।
3. माननीय कुलपति महोदय के निज सचिव छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा की ओर माननीय कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
4. वित्त नियंत्रक छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा की ओर सूचनार्थ।
5. नगर के समस्त समाचार पत्रों के सम्मानीय संपादकों एवं केवल नेटवर्क के प्रबंधकों को इस अनुरोध के साथ की कृपया छात्रहित में इस अधिसूचना को अपने लोकप्रिय समाचार पत्र/प्रसार माध्यम के आगामी अंत में समाचार के रूप में प्रकाशित करने की कृपा करे।

सहायक कुलसचिव

उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ का प्रारूप - 01

(परीक्षार्थी द्वारा स्वच्छता से भरे जाना आवश्यक है)

1	विश्वविद्यालय का नाम	**छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)**
2	**परीक्षा केन्द्र का नाम और कोड** (प्रवेश पत्र में दिये गये अनुसार ही प्रविष्टि करें)	
3	कक्षा	
4	परीक्षार्थी का स्टेटस (नियमित / स्वाध्यायी / एटीकेटी / भूतपूर्व)	
5	रोल नम्बर (अनुक्रमांक) : अंकों में	
6	एनरोलमेन्ट नंबर (नामांकन क्रमांक)	
7	विषय	
8	प्रश्न पत्र	
9	प्रश्न पत्र शीर्षक	
10	प्रश्न पत्र कोड (प्रवेश पत्र से देखकर लिखें)	
11	उत्तरपुस्तिका जमा करने की दिनांक	
12	केन्द्र पर जमा की गई कुल उत्तरपुस्तिकाओं की संख्या (अनिवार्यतः अधिकतम 20 पृष्ठों व A-4 Size की होंगी।)	

परीक्षार्थी की घोषणा :

उत्तरपुस्तिकाओं में अंकित सभी उत्तर मेरी स्वयं की हस्तलिपि में हैं।

संग्रहण केन्द्र का नाम एवं सील

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी की प्राप्तांक तालिका

खण्ड	पूर्णांक	प्राप्तांक						
		प्रश्न	1	2	3	4	5	कुल
प्राप्तांक (शब्दों) :								

परीक्षक के हस्ताक्षर

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा(म.प्र.)
पेपर कोड : 201235

कक्षा : एम.ए.(उत्तरार्द्ध) स्वाध्यायी 2020-21 विषय: हिंदी

प्रश्नपत्र क्रमांक : प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक हिंदी काव्य
(स्वच्छंदतावादी काव्य तक)

अधिकतम अंक - (50)

नोट:- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई-(I)

प्रश्न 1. निम्न लिखित काव्य के व्याख्यांश लिखिए।

दो वंशो में प्रकट करके पावनी लोक लीला
सौ पुत्रो से अधिक जिनकी पुत्रियां पूतशिला,
त्यागी भी है शरण जिनके जो अनाशक्त गेही
राजा योगी जय जनक वे पुण्यदेही विदेही।

अथवा

सुना यह मनु ने मधु_गुंजार
मधुकरी का सा जब सानंद,
किए मुख नीचा कमल समान
प्रथम कवि का ज्यों सुंदर छंद;

इकाई-(II)

प्रश्न 2. द्विवेदी युगीन साहित्यिक प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

छायावादी काव्य में "प्रेम, प्रकृति और सौंदर्य की स्वानुभूतिमयी अभिव्यंजना है।" सोदाहरण समझाइए।

इकाई-(III)

प्रश्न 3. "उर्मिला की घनीभूत पीड़ा ही साकेत के नवम सर्ग का भाव सौंदर्य है।" कथन सोदाहरण समझाइए।

अथवा

प्रसाद के "कामायनी" में प्रकृति चित्रण वर्णन का सोदाहरण समझाइए।

इकाई-(IV)

प्रश्न 4. "निराला उल्लास और विषाद के कवि ही नहीं, संघर्ष और क्रांति के कवि है।" कथन की सम्यक विवेचना कीजिए।

अथवा

"पंत का काव्य प्रकृति सौंदर्य और प्रेमानुभूतियो की व्यंजना है।" कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

इकाई-(V)

प्रश्न 5. महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

अथवा

हरिवंश राय बच्चन के “हालावाद” की विवेचना कीजिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा(म.प्र.)
पेपर कोड : 201236

कक्षा : एम.ए.(उत्तरार्द्ध) स्वाध्यायी 2020-21 विषय: हिंदी
प्रश्नपत्र क्रमांक : द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक हिंदी काव्य
(छायावादोत्तर काव्य)
अधिकतम अंक - (50)

नोट:- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई-(I)

प्रश्न 1. निम्न लिखित काव्य के व्याख्यांश लिखिए।

गहन रहस्यमय अंधकार ध्वनि_सा
अस्तित्व जनाता
अनिवार कोई एक,
और मेरे हृदय की धक_धक
पूछती है_वह कौन
सुनाई जो देता, पर नहीं देता दिखाई !

अथवा

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया, सोई उसके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर, छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी, हालत रही शिकस्त ।

इकाई-(II)

प्रश्न 2. प्रगतिवाद की साहित्यिक प्रवृत्तियो का वर्णन कीजिए।

अथवा

"प्रयोगवादी कविताओं से नई कविता अपनी विशिष्ट प्रवृत्तियो के कारण ही भिन्न हैं।" कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

इकाई-(III)

प्रश्न 3. भाव सौंदर्य की दृष्टि से अज्ञेय जी के काव्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

मुक्तिबोध के काव्य में निहित प्रगतिशील तत्वों की व्याख्या कीजिए।

इकाई-(IV)

प्रश्न 4. भवानीप्रसाद मिश्र की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

अथवा

नागार्जुन के काव्य में प्रगतिवादी स्वरों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

इकाई-(V)

प्रश्न 5. धूमिल की काव्यगत प्रवृत्तियों पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

रघुवीर सहाय की काव्य संवेदनाओ पर प्रकाश डालिए।

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

//पेपर कोड-201237//

सत्र -2020-21

कक्षा-एम.ए.उत्तरार्ध्द(स्वाध्यायी) विषय- हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक - तृतीय प्रश्नपत्र का शीर्षक-भाषाविज्ञान एवं

कुल अंक -50 हिन्दी भाषा(भाषा विज्ञान के सिद्धांत)

नोट:- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(इकाई-1)

प्र.1- भाषा की परिभाषा एवं उसके अभिलक्षण लिखिए।

अथवा

भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का वर्णन कीजिए।

(इर्काई-2)

प्र.2- स्वन प्रक्रिया एवं उसकी शाखाओं का विस्तृत वर्णन कीजिए।

अथवा

स्वन परिवर्तन के कारण लिखिए।

(इकाई-3)

प्र.3- वाक्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए वाक्य के भेदों का वर्णन कीजिए।

; अथवा

रूपिम की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

(इकाई-4)

प्र.4 अर्थ की अवधारणा स्पष्ट करते हुए शब्द और अर्थ का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अर्थ परिर्वतन के कारणों का वर्णन कीजिए।

(इकाई-5)

प्र.5 साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगो की उपयोगिता लिखिए।

अथवा

साहित्य और भाषाविज्ञान का सम्बन्ध बताईए।

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

//पेपर कोड-201238//

सत्र -2020-21

कक्षा-एम.ए.उत्तरार्ध्द(स्वाध्यायी) विषय- हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक - चतुर्थ प्रश्नपत्र का शीर्षक-भाषा विज्ञान एवं

कुल अंक -50 हिन्दी भाषा(हिन्दी भाषा विज्ञान)

नोट:- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(इकाई-1)

प्र.1- प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्णन कीजिए।

(इकाई-2)

प्र.2- पश्चिमी हिन्दी के अन्तर्गत आने वाली बोलियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

ब्रज और अवधी की विशेषताएं लिखिए।

(इकाई-3)

प्र.3- टिप्पणी लिखिए

(क) खण्ड्य स्वनिम (ख) खण्ड्येत्तर स्वनिम

अथवा

समास को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(ईकाई-4)

प्र.4 'संचार का माध्यम और हिन्दी' विषय पर लेख लिखिए।

अथवा

हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

(ईकाई-5)

प्र.5 देवनागरी लिपि की विशेषताएं लिखिए।

अथवा

हिन्दी भाषा शिक्षण के प्रमुख उद्देश्य एवं स्वरूप बताईये।

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

//पेपर कोड-201239//

सत्र -2020-21

कक्षा-एम.ए.उत्तरार्ध्द (स्वाध्यायी) विषय- हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक - पंचम प्रश्नपत्र का शीर्षक- नाटक निबंध एवं

कुल अंक -50 अन्य गद्य विधाएं (नाटक एवं एकांकी)

नोट:- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(इकाई-1)

प्र.1- हिन्दी नाटक के उद्भव और विकास पर एक निबंध लिखिए।

अथवा

हिन्दी रंगमंच में एकांकी की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(इकाई-2)

प्र.2- नाटक के तत्व के आधार पर ''चंद्रगुप्त'' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

''चंद्रगुप्त'' नाटक के पात्र चंद्रगुप्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

(इकाई-3)

प्र.3- अभिनेयता की दृष्टि से ''आषाढ़ का एक दिन'' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

''अंधा युग'' नाटक के आधार पर धर्मवीर भारती की नाटय कला की विवेचना कीजिए।

(इकाई-4)

प्र.4 एकांकी के तत्व के आधार पर ''दीपदान'' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

''तौलिए'' एकांकी में समस्या प्रधान जीवन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(इकाई-5)

प्र.5 भारतेंदु हरिश्चंद्र के एकांकीयों की विशेषताएं लिखिए।

अथवा

लक्ष्मी नारायण लाल का नाटकीय क्षेत्र में योगदान का परिचय दीजिए।

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

//पेपर कोड-201240//

सत्र -2020-21

कक्षा-एम.ए.उत्तरार्ध्द(स्वाध्यायी) विषय- हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक - षष्टम प्रश्नपत्र का शीर्षक- नाटक निबंध एवं

कुल अंक -50 अन्य गद्य विधाएं (निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं)

नोट:- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(इकाई-1)

प्र.1- हिन्दी निबंध के विकास पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

अथवा

संस्मरण,आत्मकथा,जीवनी और यात्रा वृतांत इनमें से किन्ही दो विधाओं पर संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(इकाई-2)

प्र.2- रामचंद्र शुक्लजी की निबंध शैली की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''अशोक के फूल'' निबंध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इकाई-3)

प्र.3- ''एक साहित्यिक की डायरी'' मुक्तिबोध के रचना कर्म का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

''अरे यायावर रहेगा याद'' यात्रा वृतांत का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(इकाई-4)

प्र.4 ''क्या भूलूं क्या याद करूं'' आत्मकथा की अंतर्वस्तु को समझाइए।

अथवा

हरिशंकर परसाई के व्यग्य संबंधी दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई-5)

प्र.5 भाषा शैली की दृष्टि से ''पथ के साथी'' संस्मरण का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

महादेवी वर्मा व्दारा रचित ''निराला भाई संस्मरण'' का सारांश लिखिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

Paper Code: 201241

कक्षा : एम0 ए0 उत्तरार्द्ध | विषय : हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक : सप्तम वैकल्पिक (क) | प्रश्नपत्र का शीर्षक : साहित्यिक वर्ग कबीरदास (साखी)

अधिकतम अंक–50

नोट – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

Note :– All Questuion are Compulsory

इकाई / Unit–I

Ques 1- निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10

सतगुरू की महिमा अनॅत अनॅत किया उपगार।
लोचन अनॅत उधाड़िया, अनॅत दिखावण हार।।
रामनाम के पटतरै देबै को कछु नाहिं।
क्या लै गुरू संतोषिए, हौंस रही मन मॉहि।।

अथवा / Or

हिरदा भीतरि दौ बलै, धूवॉ प्रगट न होइ।
जाकै लागी सो लखै, कै जिहि लाइ सोइ।।
झूल उठी झोली जली, खपरा फूटिम फूटि।
जोगी था सो रमि गया, आसणि रहा विभूति।।

इकाई / Unit–II

Ques 2- ''भक्ति ईश्वर के प्रति परम अनुराग की अभिव्यक्ति है'' इस कथन के आधार पर निर्गुण भक्ति का निरूपण कीजिए। 10

अथवा / Or

संत काव्य परम्परा की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

इकाई / Unit–III

Ques 3- कबीर के काव्य में सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा / Or

कबीर का साहित्य तत्कालीन परिवेश से उपजा साहित्य है इस कथन की तर्क संगत पुष्टि कीजिए।

इकाई / Unit–IV

Ques 4- ''साखी आंखी ज्ञान की, समुझि देखु मन मांहि'' 10

इस उक्ति के आधार पर कबीर की साखियों के महत्व का विवेचन कीजिए।

अथवा / Or

कबीर का सारा जीवन सत्य के प्रयोग में बीता था। योग के क्षेत्र में उनके प्रयोग अनुपम थे। इस आधार पर कबीर की योग साधना का वर्णन कीजिए।

इकाई / Unit–V

Ques 5- संत काव्य धारा परम्परा में नानक के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा / Or

संत रैदास और पीपा के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

Paper Code 201242:

कक्षा : एम0 ए0 उत्तरार्द्ध विषय : हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक : अष्टम वैकल्पिक (क) प्रश्नपत्र का शीर्षक : साहित्यिक वर्ग कबीरदास (सबद एंव रमैणी)

अधिकतम अंक–50

नोट – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

Note :– All Questuion are Compulsory

इकाई / Unit&I

Ques 1- निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10

दुलहनि गावहु मंगलचार,
हम धरि आए हो राजा राम भरतार।।
तन रत करि मैं मन रत करिहूँ, पंचतत्त बाराती।
रामदेव मौरें पॉहुनै आये मैं जोबन मैं माती।।
सरीर सरोवर बेदी करिहूँ, ब्रम्हा वेद उचार।
रामदेव सगि भॉवरी लैहूँ, धनि धनि भाग हमार।।
सुर तेतीसूँ कौतिग आये, मुनिवर सहस अठ्यासी।
कहै कबीर हॅम ब्याहि चले हैं, पुरिष एक अविनासी।।

अथवा / Or

अब गहि राम नाम अविनासी, रितजि जिनि कतहूँ जासी।
जहॉ जाइ तहॉ तहॉ पतंगा, अब जिनि जरसि समझि विष संत्रा।।
चोखा राम नाम मनि लीन्हा, भिंग्री कीट भ्यंग नहीं कीन्हा।
भौ सागर अति वार पारा, ता तिरबे का करहु विचारा।।
मनि भावै अतिल हरि बिकारा, नहीं गयि सूझै वार न पारा।।

इकाई / Unit&II

Ques 2- कबीर काव्य में व्यक्त दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा / Or

''कबीर का रहस्यवाद भक्तिमूलक रहस्यवाद ही है।'' इस आधार पर कबीर के रहस्यवाद का वर्णन कीजिए।

इकाई / Unit&III

Ques 3- कबीर समाज सुधारक पहले थे कवि बाद में इस कथन की तर्क संगत पुष्टि कीजिए। 10

अथवा / Or

''कबीर एक युगदृष्टा तथा क्रांतिकारी कवि है'' इस कथन को सिद्ध कीजिए।

इकाई / Unit&IV

Ques 4- कबीर द्वारा रचित सबद के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा / Or

''कबीर की भाषा का निर्णय करना टेढ़ी खीर है, क्योंकि वह खिचड़ी है।'' डॉ0 श्याम सुंदरदास के उक्त कथन के आधार पर कबीर की भाषा पर तर्कसंगत विचार प्रस्तुत करिए।

इकाई / Unit&V

Ques 5- संत काव्य धारा में संत जम्भनाथ और लालदास के योगदान पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा / Or

संत काव्यधारा में संत मलूकदास और संत सेन के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)

पेपर कोड : 201243

कक्षा : एम.ए. उत्तरार्ध स्वाध्यायी 2020-21 विषय : हिंदी साहित्य

प्रश्न पत्र क्रमांक: सप्तम प्रश्न पत्र का शीर्षक: वैकल्पिक क साहित्य वर्ग सूरदास (सूरसागर प्रारंभिक पाठ)

अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई (1)

प्रश्न1 -निम्नलिखित पद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

चरण- कमल बंदौ हरि -राइ । जाकी कृपा पंगु गिरि लांघै , अंधे को सब कछु दरसाई। बहिरौ सुनै , गूंग पुनि बोलै,रंक चलै सिर छत्र धराई । सूरदास स्वामी करुनामय बार - बार बंदौ तिहिपाई ।।

अथवा

खेलत मैं को काको गुसैयां। हरि हारे जीते श्री दामा, बरबस ही कत करत रिसेयाँ। जाति पाँति हमतैं बढ़ नाही, बसत तुम्हारी छैयाँ। अति अधिकार जनावत यातै जातै अधिक तुम्हारे गैया रुठीही करै तासौं को खेलें, रूठे बैठी जहँ तहँ गवैयों। सूरदास प्रभु खेलयोई चाहत दाऊ दियौ करि नंद दुहैया ।।

इकाई (2)

प्रश्न 2 -" सूरसागर "की प्रधान नायिका राधा का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

गोकुल लीला और वृंदावन लीला शीर्षक से रेखांकित सूरसागर की कविताओं का वैशिष्ट्य बताइए।

इकाई (3)

प्रश्न 3 - भक्ति काल की सामाजिक,राजनैतिक, आर्थिक पृष्ठभूमि को समझाइए।

अथवा

सूर साहित्य में दार्शनिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए।

इकाई 4

प्रश्न 4 -" ब्रजभाषा को सूर की देन " विषय पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि सूर के पदों में काव्य के अंतरंग एवं बहिरंग दोनों ही पक्ष चरमोत्कर्ष पर पहुंचे हुए हैं।

इकाई 5

प्रश्न 5 - कृष्ण दास का जीवन परिचय एवं प्रमुख रचनाएं ,कृष्ण काव्य में माधुर्य भक्तिको स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कुंभन दास का जीवन परिचय लिखिए एवं “संतन को कहां सीकरी सो काम” का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)

पेपर कोड : 201244

कक्षा : एम.ए. उत्तरार्द्ध (स्वाध्यायी) 2020-21 विषय : हिंदी साहित्य

प्रश्न पत्र क्रमांक: अष्टम वैकल्पिक(क) प्रश्न पत्र का शीर्षक: सूरदास (सूरसागर भ्रमरगीत सार)

अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई - 1

निम्नलिखित पदों का सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

प्रश्न-1) गौ चरण को चलत हमारे पाछे कोसक धाए। ये बासुदेव देवकी हमसो कहत आपने जाए। बहुरि विधाता जसुमति जू के हमहि न गोद खिलाए ।। कौन काज यह राज ,नगर को सब सुख सो सुख पाए ? सूरदास ब्रज समाधान, कर आजु काल्हि हम आये।।

अथवा

अपनों दूध छांड़ि को पीवै खार कूप को पानी। उद्धो जाहु सबार यहां ते बेगि गहरु जनि लावौ। मुँह मांग्यो पैहौ सूरज प्रभु सहुहि आनि दिखावौ ।।

इकाई 2

प्रश्न 2- भक्ति काल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं भक्ति आंदोलन के उदय की परिस्थितियों को समझाइए।

अथवा

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां एवं प्रमुख धाराओं का नाम उल्लेख कीजिए।

इकाई 3

प्रश्न 3 - कृष्ण भक्ति काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएं एवं परंपराओं का इतिहास लिखिए।

अथवा

अष्टछाप कवि एवं उनकी कृष्ण भक्ति काव्य धारा में योगदान लिखिए।

इकाई4

प्रश्न 4 - सूरदास की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

अथवा

"भ्रमरगीत" के उपालम्ब स्वरुप को सो उदहारण प्रस्तुत कीजिये |

इकाई 5

प्रश्न 5 – "रसखान" की कृष्ण भक्ति पर प्रकाश डालते हुए उनकी भक्ति की विवेचना कीजिए।

अथवा

"मीराबाई" का जीवन परिचय एवं काव्यगत विशेषताएं और साहित्य में स्थान लिखिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

Paper Code 201245:

कक्षा : एम0 ए0 उत्तरार्द्ध विषय : हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक : सप्तम वैकल्पिक (क) प्रश्नपत्र का शीर्षक : साहित्यिक वर्ग तुलसीदास

भाग एक

अधिकतम अंक–50

नोट – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

Note :– All Questuion are Compulsory

इकाई / Unit–I

Ques 1- निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10

एहि महँ रघुपति नाम उदारा। अतिपावन पुराण श्रुतिसारा।
मंगल भवन अमंगल हारी। उमा सहित जेहिजपत पुरारी।।
भनिति विचित्र सुकविकृत जोऊ। राम नाम बिनु सोहन सोऊ।
बिधु बदनी सब भॉति सॅवारी। सोहन बसन बिनाबर नारी।।

अथवा / or

जासु बिरहँ सोचहु दिन राती। रटहु निरंतरगुन पॉति।
रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता। आयउ कुसल देव मुनि त्राता।।
रिपुरन जीति सुजस सुरगावत। सीता सहित अनुज प्रभु आवत।
सुनत वचन बिसरे सब दूखा। तृषावंत जिमि पाइ पियूषा।।

इकाई / Unit–II

Ques 2- तुलसी ने अपने काव्य में तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियों का रूप चित्रित किया है संक्षेप में उनका उल्लेख कीजिए। 10

अथवा / or

''तुलसी एक सच्चे लोकनायक थे।'' इस कथन की तार्किक विवेचना कीजिए।

इकाई / Unit–III

Ques 3- ''रामचरित मानस एक सफल महाकाव्य है। इस कथन की विवेचना कीजिए। 10

अथवा / or

रामचरित मानस के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

इकाई / Unit–IV

Ques 4- ''हिन्दी में रामकाव्य परंपरा का उल्लेख कीजिए। 10

अथवा / or

राम काव्य परम्परा में स्वामी रामानंद के योगदान पर प्रकाश डालिए।

इकाई / Unit–V

Ques 5- गोस्वामी तुलसी कृत दोहावली के काव्यरूप पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा / or

''पार्वती मंगल मूलतः स्त्री लोकोपयोगी खण्ड काव्य है'' इस आधार पर पार्वती मंगल की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

Paper Code 201246:

कक्षा : एम0 ए0 उत्तरार्द्ध विषय : हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक : अष्टम वैकल्पिक (क) प्रश्नपत्र का शीर्षक : साहित्यिक वर्ग तुलसीदास भाग दो

अधिकतम अंक–50

नोट – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

Note :– All Questuion are Compulsory

इकाई / Unit&I

Ques 1- निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10

गाइए गनपति जगवंदन। संकर सुवन, भवानी नन्दन।

सिद्धि सदन, गजवदन विनायक। कृपा–सिंधु सुंदर सब लायक।।

मोदक प्रिय मुद मंगल दाता। विद्या वारिधि बुद्धि विधाता।

मांगत तुलसीदास कर जोरे। बसहिं रामसिय मानस मोरे।।

अथवा / Or

अवधेश के द्वारे सकारें गई सुत गोद कै भूपति लै निकसे।

अवलोक हौं सोच विमोचन को ठगि–सी रही, जै न ठगे धिक से।।

तुलसी मन रंजन रंजित अंजन नैन सुरवंजन जातक से।

सजनी ससि में समसील उभै नवनील सरोरूह से बिकसे।।

इकाई / Unit&II

Ques 2- तुलसी के व्यक्तित्व की विवेचना कीजिए। 10

अथवा / Or

''तुलसी द्वारा रचित कृतियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए।

इकाई / Unit&III

Ques 3- तुलसी की भक्ति भावना का विवेचन करते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा / Or

मानवीय मूल्यों को जीवित रखने में तुलसी का क्या योगदान है ? स्पष्ट कीजिए।

इकाई / Unit&IV

Ques 4- तुलसीदास जी ने विनय पत्रिका में 'आत्म–निवेदन' को ही पदों में बद्ध किया है। विवेचन करिए। 10

अथवा / Or

कवितावली के आधार पर तुलसी के समसामयिक समाज का वर्णन कीजिए।

इकाई / Unit&V

Ques 5- रामभक्ति धारा में नाभादास एवं केशवदास के अवदान पर विवेचन कीजिए। 10

अथवा / Or

सेनापति तथा हृदयराम रामभक्ति परम्परा के संवाहक कवि है स्पष्ट कीजिए।

छिन्दवाडा विश्वविधायलय छिन्दवाडा (मध्य–प्रदेश)

पेपर कोड 201247

कक्षा एम ए उत्तरार्ध्द विषय :– हिन्दी

प्रश्न पत्र क्रमांक ग्रुप ए प्रश्न पत्र का शीर्शक– सुर्यकांत त्रिपाठी निराला भाग1

नोट– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई 1

प्रश्न 1 निम्न लिखित व्याख्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या किजिए।

(अ) भाव में कहते थे वे नेत्र निर्मेष विहीन
अन्तिम खास छोडते जैसे थोडे ज लमे मीन,
हम अब न रहेगे यहां,आह संसार।
मृग तृष्णा से व्यर्थ भटकना ,केवल हाहाकार
तुम्हारा एकमात्र आधार,
हमें दुःख से मुक्ति मिलेगी हम इतने दुर्वल है–
तुम कर दो एक प्रहार!

अथवा

सखि बसन्त आया,
भरा हर्श वन के मन,
नवोत्कर्श छाया।
किसलय–वसना नववय लतिका
मिलि मधुर प्रिय कर तरू पतिका
मधुप वृन्द वन्दीजन
पिक स्वर नभ सरसाया।

इकाई 2

छायावाद का आविर्भाव ,कविता काल एंव काव्यान्दोलन का प्रवर्तन निराला के सदंर्भ मे स्पष्ट कीजिए।

अथवा

छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताए विस्तार पुर्वक स्पष्ट कीजिए।

इकाई 3

सुर्यकांत त्रिपाठी निराला का जीवन परिचय देते हुए उनके व्यक्तित्व पर निबंध लिखिए।

अथवा

सुर्यकांत त्रिपाठी निराला के कृतित्व पर विस्तृत निबंध लिखिए।

इकाई 4

सुर्यकांत त्रिपाठी निराला की काव्यगत विशेषताए लिखिए।

अथवा

सुर्यकांत त्रिपाठी निराला के गीति काव्य पर प्रकाश डालिये।

इकाई 5

महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व एंव कृतित्व पर प्राकश डालिये।

अथवा

जयशंकर प्रसाद छायावाद के आधार स्तंभ कवि है स्पष्ट कीजिए।

छिन्दवाडा विश्वविधायलय छिन्दवाडा (मध्य–प्रदेश)

पेपर कोड 201248 विषय हिन्दी
कक्षा एम ए उत्तरार्ध्द प्रश्न पत्र का शीर्शक सुर्यकांत त्रिपाठी
निराला भाग 2
प्रश्न पत्र क्रमांक ग्रुप ए

नोट– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई 1

प्रश्न 1 निम्न लिखित व्याख्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या किजिए।

' अबे सुन बे गुलाब
भूल मत, पर पाई खुशबू रंगो आब
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट
डाल पर इतरा रहा है कैपिटलिस्ट
कितनो को तूने बनाया है गुलाम
माली कर रखा,सहाया जाड़ा धाम।

अथवा

रंग गये जैसे पलाश,
कुसुम किंशुक के सुहाए
कोकनद के पाए प्राण
खुन की होली जो खेली।
निकले क्या कोंपल लाल
फाग की आग लगी है
फागुन की टेढी तान
खुन की होली जो खेली

इकाई 2

उतर छायावाद काव्य परिवेश पर प्रकाश डालिये।
अथवा
उतर छायावाद की विशेषताए लिखिये।

इकाई 3

निराला के व्यक्तित्व की समीक्षा कीजिए।
अथवा
निराला के कृतित्व की समीक्षात्मक निबंध लिखिये।

इकाई 4

निराला के गध साहित्य का सांकेतिक परिचय दिजिए।
अथवा
निराला की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिये।

इकाई 5

हरिवंश राय बच्चन का जीवन परिचय देते हुऐ उनके 'हालावाद' पर प्रकाश डालिये।
अथवा
माखनलाल चतुर्वेदी 'एंक भारतीय आत्मा है स्पष्ट किजीए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)

पेपर कोड :201249

कक्षा : एम.ए. उत्तरार्ध स्वाध्यायी 2020-21 विषय : हिंदी साहित्य

प्रश्न पत्र क्रमांक: सप्तम प्रश्न पत्र वैकल्पिक (क) प्रश्न पत्र का शीर्षक: माखनलाल चतुर्वेदी

भाग 1

अधिकतम अंक : 50

नोट :सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।

इकाई (1)

प्रश्न 1 -निम्न की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

मनो राज्य पर छूटने वाला तीर प्रलय की प्रथम चेतावनी लेकर लौटता है। मनो राज्य के मस्तक पर फहराता हुआ विजय- ध्वज जिस दिन धूलि -धूसरित होने लगे उस दिन मनुष्य त्व दूरबीन से भी ढूंढे कहां मिलेगा?उस दिन ज्वालामुखी फट पड़ा होगा वज्र टूट पड़ा होगा।

अथवा

वह नवांत आ गए खेत से सूख गया है पानी खेतों की बरसन की गगन की बरसन किए पुरानी सजा रहे हैं फुलझड़ियां से जादू करके खेल आज हुआ श्रम - सीकर के घर हमसे उनसे मेल तू ही जगत की जय हो, तू ही तू है बुद्धि मई वरदात्री, तू धात्री, तू भू नवगात्री, सूज भुज निर्मात्री ||

इकाई (2)

प्रश्न 2 - राष्ट्रीय काव्यधारा की अवधारणा एवं प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

राष्ट्रीय काव्यधारा का उद्भव और विकास एवं आधुनिक काल की राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा के काव्य का महत्व लिखिए।

इकाई(3)

प्रश्न -3 माखनलाल चतुर्वेदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"माखनलाल चतुर्वेदी "की रचना "साहित्य देवता" की समीक्षा कीजिए।

इकाई(4)

प्रश्न 4 - माखनलाल चतुर्वेदी की राष्ट्रीय चेतना एवं साहित्य में स्थान लिखिए।

अथवा

"दीप से दीप जले "कविता का सारांश लिखिए।

इकाई(5)

प्रश्न 5 सियाराम शरण गुप्त के काव्य पर उनके माता-पिता का सात्विक प्रभाव किस रूप में दिखाई देता हैं ?

अथवा

रामधारी सिंह दिनकर का हिंदी साहित्य में योगदान लिखिए?

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)

पेपर कोड : 201250

कक्षा : एम.ए. (उत्तरार्ध) स्वाध्यायी 2020-21 विषय : हिंदी साहित्य

प्रश्न पत्र क्रमांक: अष्टम प्रश्न पत्र का शीर्षक: वैकल्पिक क साहित्य वर्ग

(माखनलाल चतुर्वेदी भाग 2)

अधिकतम अंक : 50

नोट :सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई 1

निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:-

प्रश्न 1: गिनो न मेरी श्वास, छुए क्यों मुझे विपुल सम्मान? भूलो ऐ इतिहास, खरीदे हुए विश्व -ईमान।। अरि मुड़ो का दान, रक्त तर्पण भर का अभिमान, लड़ने तक मेहमान ,एक पूंजी है तीर कमान। मुझे भूलने में सुख पाती, जग की काली स्याही, दासों दूर कठिन सौदा है ,मैं हूं एक सिपाही!

अथवा

उड़ने दे घनश्याम गगन में । बिन हरियाली के माली पर, बिना राग फैली लाली पर ,बिना वृक्ष ऊगी डाली पर, फूली नहीं समाती तन में, उड़ने दे घनश्याम गगन में!

इकाई 2

प्रश्न 2: राष्ट्रीय काव्यधारा की अवधारणा एवं विकास की प्रमुख विशेषताओं को उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

आधुनिक काल की राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा के काव्य का महत्व लिखिए।

इकाई 3

प्रश्न 3: माखनलाल चतुर्वेदी की व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए एवं उनके काव्य की विशेषताएं लिखिए।

अथवा

माखनलाल चतुर्वेदी की रचना " हिम् किरीटनी" भारतीय काव्य का विशालतम और अव्यावसायिक संकलन हैं इस कथन की पुष्टि ।

इकाई 4

प्रश्न 4: कवि ,लेखक ,निबंधकार, नाटककार और पत्रकार के क्षेत्र में माखनलाल चतुर्वेदी के योगदान पर निबंध लिखिए ।

अथवा

माखनलाल चतुर्वेदी की रचना " हिमतरंगिनी" एक अनुपम धरोहर है सिद्ध कीजिए।

इकाई 5

प्रश्न 5: सुभद्रा कुमारी चौहान की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय ,छिंदवाड़ा (मप्र)

Paper code : **201251**

कक्षा **: एम.ए.उत्तरार्द्ध (स्वाध्यायी)** विषय **: हिन्दी**

प्रश्नपत्र क्रमांक : **सप्तम।** प्रश्नपत्र का नाम : **वैकल्पिक साहित्यक**

वर्ग (क)नाटककार जयशंकर प्रसाद (भाग-एक)

अधिकतम अंक : **50**

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं ।

प्रश्न 1: - सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

"अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है अपने को नियामक और कर्ता समझने की बलवती स्पृहा। उससे बेगार कराती है, उत्सवों में परिचायक और अस्त्रों में डाल से भी अधिकार -लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं ?(ठहरकर)ऊँह! जो कुछ हो, हम तो साम्राज्य के एक सैनिक है।"

अथवा

"समझदारी आने पर यह यौवन चला जाता है- जब तक माला गूँथी जाती है तब तक फूल कुम्हला जाते हैं ।जिससे मिलने की संसार में इतनी धूम-धाम सजावट, बनावट होती है, उसके आने तक मनुष्य ह्रदयको को सुंदर और उपयुक्त नहीं बनाया जा सकता ।मनुष्य की चंचल स्थिति तब तक उस श्यामल कोमल ह्रदय को रसभूमि बना देती है यही तो विषमता है।"

प्रश्न2:- हिन्दी नाटकों का विकास बतलाकर जयशंकर प्रसाद का स्थान और महत्व निश्चित कीजिए ।

अथवा

प्रसादजी की नाट्य-कला का क्रमिक विकास बताते हुए नाट्य-साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3:- 'स्कन्दगुप्त'नाटक के पात्रों में किसका चरित्र आपको अधिक प्रभावित करता हैं?सकारण उत्तर दीजिए।

अथवा

भारतीय और पाश्चात्य नाट्य तत्वों का परिचय देकर सिद्ध कीजिए कि नाटक के क्षेत्र में प्रसाद नवयुग के प्रवर्तक थे।

प्रश्न 4:- 'चन्द्रगुप्त 'नाटक का संक्षिप्त तात्विक विवेचन कीजिए ।

अथवा

'कामना 'नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

प्रश्न 5:- निम्नलिखित में से किन्हीं दो नाटककारों का परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

1. डाॅ.रामकुमार वर्मा
2. विष्णु प्रभाकर
3. धर्मवीर भारती

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय ,छिंदवाड़ा (मप्र)

Paper code : **201252**

कक्षा : एम.ए.उत्तरार्द्ध (स्वाध्यायी) विषय : हिन्दी

प्रश्नपत्र क्रमांक : अष्टम प्रश्नपत्र का नाम : वैकल्पिक (क)साहित्यिक वर्ग

नाटककार जयशंकर प्रसाद (भाग-दो)

अधिकतम अंक:50

नोट:- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्रश्न 1:- निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

आह, जीवन की क्षणभंगुरता देखकर भी मानव कितनी गहरी नींव देना चाहता है ।आकाश के नीले पत्र पर उज्जवल अक्षरों से लिखें और अदृष्ट के लेख जब धीरे-धीरे लुप्त होने लगते हैं,, तभी तो प्रभात समझने लगता है वह जीवन संग्राम में प्रवृत्त होकर अनेक अकांड -तांडव करता है ।फिर भी प्रकृति उसे अंधकार की गुफा में ले जाकर उसका शांतिमय ,रहस्यपूर्ण भाग्य का चिट्ठा समझाने का प्रयत्न करती है; किंतु वह कब मानता है ?मनुष्य व्यर्थ महत्व की आकांक्षा में मरता -मरता है; अपनी नीची ,किंतु सुदृढ़ परिस्थिति में उसे संतोष नहीं होता; नीचे से ऊंचे चढ़ना ही चाहता है, चाहे गिरे तो भी क्या?

अथवा

सीधा तना हुआ, अपने प्रभुत्व की साकार ,कठोरता अम्रभेदी उन्मुक्त शिखर, इन क्षुद्र कोमल निरीह लताओं और पौधों को इसके चरण में लौटना ही चाहिए।

प्रश्न 2:- "प्रसाद की अत्यधिक इतिहास निष्ठा का प्रभाव उनके नाटकों पर पड़ा हैं ।"इस कथन की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

अभिनेयता (रंगमंच)दृष्टि से जयशंकर प्रसाद के नाटकों की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न 3:- नाटक के तत्वों के आधार पर जनमेजय का नागयज्ञ अथवा अजातशत्रु नाटक की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 4:- ध्रुवस्वामिनी या चन्द्रगुप्त का चरित्र-चित्रण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5:- निम्नलिखित में से किन्हीं दो नाटककारों का जीवन परिचय देते हुए उनके रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

1. मोहन राकेश
2. भुवनेश्वर
3. सुरेन्द्र वर्मा

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)

पेपर कोड: 201253

कक्षा : एम.ए. उत्तरार्ध

विषय : हिंदी

प्रश्न पत्र क्रमांक: सप्तम

प्रश्न पत्र का शीर्षक: मोहन राकेश भाग 1

अधिकतम अंक : 50

Note: सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है |

इकाई (1)

प्रश्न 1: निम्नलिखित गद्यांश का संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए |

मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है ।मेरे लिए वह संबंध और सब संबंधों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूं जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है।

अथवा

तुम जिसे भावना कहती हो वह केवल छलना और आत्म प्रवंचना भर है मैं पूछती हूं भावना में भावना का वरण क्या होता है ? उससे जीवन की आवश्यकताये किस प्रकार पूरी होती है?

इकाई – (2)

प्रश्न 2: नाटककार मोहन राकेश के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए ?

अथवा

मोहन राकेश की नाट्य यात्रा का विस्तृत वर्णन करते हुए उनकी नाट्यात्मक उपलब्धियों पर चर्चा करें ?

इकाई – (३)

प्रश्न३: "आषाढ़ का एक दिन" नाटक का प्रतिवाद स्पष्ट करते हुए इसकी मुख्य समस्याओं पर प्रकाश डालिए |

अथवा

"आषाढ़ का एक दिन" में कालिदास के अंतर्द्वंद को चित्रित कीजिए |

इकाई - 4

प्रश्न 4: लहरों के राजहंस नाटक के नाम की सार्थकता पर विचार कीजिए

अथवा

लहरों के राजहंस में मोहन राकेश की विचारधारा को स्पष्ट कीजिए|

इकाई - 5

प्रश्न 5 : टिप्पणी लिखिए १) हरि कृष्ण प्रेमी, २) लक्ष्मी नारायण मिश्र

अथवा

१) सेठ गोविंद दास २) जगदीश चंद्र माथुर

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)

पेपर कोड: 201254

कक्षा : एम.ए. उत्तरार्ध

प्रश्न पत्र क्रमांक: अष्टम

विषय : हिंदी

प्रश्न पत्र का शीर्षक: मोहन राकेश भाग 2

अधिकतम अंक : 50

Note: सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है

इकाई - 1

प्रश्न 1 : निम्नलिखित "गद्यांश" का संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए |

हर एक के पास एक न एक वजह होती है। इसने इसलिए कहा था। उसने इसलिए कहा था। जानना चाहता हूं कि मेरी क्या यही हैसियत है, इस घर में कि जो अब चाहे जिस वजह से जो भी वह दे मैं चुपचाप सुन लिया करू? हर वक्त की दुत्कार हर वक्त की कोंच बस यही कमाई है यहां मेरी इतने सालों की?

अथवा

देखा है कि जिस मुट्ठी में तुम कितना कुछ एक साथ भर लेना चाहती थी उसमें जो था वह भी धीरे-धीरे बाहर फिसलता गया है_की तुम्हारे मन में लगातार एक डर समाता गया है जिस के मारे तुम कभी घर का दामन थामती रही हो तो कभी बाहर का |

इकाई - 2

प्रश्न २ : हिंदी नाटक के उद्भव व विकास को समझाइए ?

अथवा

मोहन राकेश एक प्रयोग धर्मी नाटककार है सिद्ध कीजिए ?

इकाई- ३

प्रश्न 3 : महेंद्र नाथ का चरित्र चित्रण आधे अधूरे के आधार पर करें ?

अथवा

आधे - अधूरे नाटक मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज है सिद्ध कीजिए ?

इकाई- 4

प्रश्न 4 : मिट्टी की गाड़ी नाटक का कथानक संक्षेप में लिखिए ?

अथवा

मोहन राकेश के नाटकों की मूल्य चेतना बताइए

इकाई 5

प्रश्न ५ : किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए |

1. भुवनेश्वर 2. लक्ष्मी नारायण लाल 3 . धर्मवीर भारती

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय ,छिंदवाड़ा (मप्र)

Paper code : **201255**

कक्षा : **एम.ए.उत्तरार्द्ध (स्वाध्यायी)** विषय : **हिन्दी**

प्रश्नपत्र क्रमांक : **सप्तम।** प्रश्नपत्र का नाम : **वैकल्पिक (क)साहित्यिक वर्ग कथाकार प्रेमचंद (भाग-एक)**

अधिकतम अंक **: 50**

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

प्रश्न 1 : -सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

हमने उनकी विशाल तपस्वी आत्मा को भोग के बन्धनों से बांधकर रखना चाहा था ।आकाश में उड़ने वाले पक्षी को पिंजड़े बन्द करना चाहा था।जब पक्षी पिजड़े को तोड़ कर उड़ गया तो मैने समझा ।मैं अभिमानिनी हूँ ।आज मुझे मालूम हो रहा है,यह मेरा परम सौभाग्य था।

अथवा

हे प्रभो !तुम सुन्दरता देकर मन को चंचल क्यो बना देते हो?मैने सुन्दर स्त्रियों को प्राय:चंचल ही पाया ।कदाचित ईश्वर इस युक्ति से हमारी आत्मा की परीक्षा करते हैं, अथवा जीवन मार्ग में सुन्दरता रूपी बाधा डालकर हमारी आत्मा को बलवान,पुष्ट बनाना चाहते है।सुन्दरता रूपी आग में आत्मा को डालकर उसे चमकाना चाहते है।पर हा ।अज्ञान वश हमें कुछ नहीं सूझता यह आग हमें जला डालती हैं, वह बाधा हमें विचलित कर देती हैं ।

प्रश्न 2 :- हिंदी उपन्यास परंपरा में प्रेमचंद का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

हिंदी कहानी का उद्भव विकास पर निबंध लिखिए।

प्रश्न 3 :- कर्मभूमि के नायक अमरकांत की चरित्र गत विशेषताओं को बताइए।

अथवा

"राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन का स्वरूप 'रंगभूमि 'उपन्यास में सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया है।" प्रस्तुत कथन के औचित्य की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 4 :- हिंदी कहानी के तत्वों के आधार पर 'बूढ़ी काकी 'अथवा 'दो बैलों की कथा 'कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 5 :- किन्हीं दो साहित्यकारों के जीवन वृत्त व रचना संसार पर प्रकाश डालिए।

1. विश्वंभर नाथ शर्मा कौशिक
2. वृंदावन लाल वर्मा
3. बेचन शर्मा उग्र

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय ,छिंदवाड़ा (मप्र)

Paper code **: 201256**

कक्षा : **एम .ए.उत्तरार्द्ध (स्वाध्यायी)** विषय : **हिन्दी**

प्रश्नपत्र का क्रमांक : **अष्टम** प्रश्न पत्र का शीर्षक : **वैकल्पिक साहित्यक वर्ग**

कथाकार प्रेमचंद (भाग-2)

अधिकतम अंक : 50

नोट- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

प्रश्न 1:- प्रेमचंद की उपन्यास कला पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी कहानी एवं उपन्यास के क्षेत्र में प्रेमचंद की देन पर संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

प्रश्न :2- "गोदान भारतीय ग्राम्य जीवन का महाकाव्य हैं ।"-प्रस्तुत कथन की विवेचना कीजिए ।

अथवा

गबन उपन्यास के आधार पर जालपा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

प्रश्न 3:- हिन्दी कहानी के तत्वों के आधार पर' कफ़न 'अथवा 'पूस की रात 'कहानी की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 4- किन्हीं दो साहित्यकारों के जीवन वृत्त एवं साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए।

1: जैनेन्द्र कुमार

2: अमृतलाल नागर

3: यशपाल

प्रश्न 5:- सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

हम क्षणिक मोह और संकोच में पड़कर अपने जीवन को सुख और शांति का कैसा होम कर देते हैं। अगर जालपा मोह के इस झांके में अपने को स्थिर रख सकती है, अगर रमा संकोच आगे सिर झुका देता ,दोनों के हृदय में प्रेम का सच्चा प्रकाश होता ,तो वे पद भ्रष्ट होकर सर्वनाश कि और ना जाते।

अथवा

जिसकी आत्मा में बल नहीं, अभिमान नहीं वह और चाहे कुछ भी हो आदमी नहीं है ।जिसे दुश्मन के भय के मारे रात को नींद ना आती है, जिसके दु:ख पर सब हंसे और रोने वाला कोई ना हो ,जिसकी चोटी दूसरों के पैरों के नीचे दबी हो ,जो भोग विलास के नशे में अपने को बिल्कुल भूल गया हो ,जो हुक्काम के तलवे चाटता हो, और अपने अधीनों का खून चूसता हो उसे मैं सुखी नहीं कहता ,वह तो संसार का सबसे अभागा प्राणी है।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म. प्र.)

पेपर कोड - 201257

कक्षा - एम. ए. उत्तरार्द्ध, **विषय - हिंदी**

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020 -21

प्रश्न पत्र क्र.- सप्तम (वैकल्पिक) (ख) व्यावसायिक वर्ग

प्रश्न पत्र का शीर्षक - प्रयोजनमूलक हिंदी, भाग -1

अधिकतम अंक - 50

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई - 1

प्रश्न -1. हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए , हिंदी के विभिन्न रूपों के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए। (10)

अथवा

कार्यालयीन हिंदी का आशय स्पष्ट करते हुए, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों के बारे में लिखिए।

इकाई - 2

प्रश्न - 2 . पारिभाषिक शब्दावली का आशय बताते हुए, उसके स्वरुप एवं महत्व पर प्रकाश डालिये। (10)

अथवा

पारिभाषिक शब्दावली के अर्थ एवं उदाहरणों के बारे में बताते हुए उनके व्यावहारिक प्रयोग के बारे में लिखिए।

इकाई -3

प्रश्न -3 . हिंदी कम्प्यूटिंग का आशय स्पष्ट करते हुए, कम्प्यूटर परिचय, रुपरेखा , उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग के बारे में लिखिए। (10)

अथवा

इंटरनेट को परिभाषित करते हुए, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल के बारे मे विस्तारपूर्वक लिखिए।

इकाई- 4

प्रश्न -4 . पत्रकारिता का आशय स्पष्ट करते हुए, उसके स्वरुप एवं प्रकारों के बारे में उत्तर दीजिए। (10)

अथवा

संपादन क्या है ? संपादन के आधारभूत तत्वों के बारे में लिखिए।

इकाई - 5

प्रश्न -5 . सम्पादकीय लेखन क्या है? किसी एक समसामयिक विषय पर सम्पादकीय लेख लिखिए। (10)

अथवा

प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिताओं के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म. प्र.)

पेपर कोड - 201258

कक्षा - एम. ए. उत्तरार्द्ध, **विषय - हिंदी**

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020 -21

प्रश्न पत्र क्र.- अष्टम (वैकल्पिक) (ख) व्यावसायिक वर्ग

प्रश्न पत्र का शीर्षक - प्रयोजनमूलक हिंदी ,भाग -2

अधिकतम अंक - 50

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई -1

प्रश्न - 1 . जनसंचार क्या है ? विभिन्न जनसंचार माध्यमों के स्वरूपों के बारे मे लिखिए। (10)

अथवा

फीचर लेखन क्या है ? एक अच्छे फीचर की विशेषताएँ बताते हुए, फीचर एवं रिपोतार्ज में अंतर स्पष्ट करिये।

इकाई -2

प्रश्न - 2. टेलीविजन का संक्षिप्त इतिहास बताते हुए , वर्तमान में टेलीविजन की भूमिका पर प्रकाश डालिये।(10)

अथवा

पटकथा लेखन क्या है ? एक अच्छे पटकथा लेखन में कौन कौन सी विशेषताएँ होनी चाहिए विस्तारपूर्वक लिखिए।

इकाई - 3

प्रश्न -3. अनुवाद क्या है ? अनुवाद के स्वरुप , क्षेत्र , प्रक्रिया एवं प्राविधि के बारे में लिखिए। (10)

अथवा

हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिये।

इकाई -4

प्रश्न - 4. वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद के महत्व पर प्रकाश डालिये। (10)

अथवा

कार्यालयीन अनुवाद क्या है ? कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली के बारे में लिखिए।

इकाई - 5

प्रश्न - 5 . साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख सिद्धांतों के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए। (10)

अथवा

टिप्पणी लिखिए (दोनों)

1 . सारानुवाद

2 . दुभाषिया प्राविधि

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म. प्र.)

पेपर कोड - 201259

कक्षा - एम. ए. उत्तरार्द्ध, विषय - हिंदी

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020 -21

प्रश्न पत्र क्र. - सप्तम (वैकल्पिक) (ख) व्यावसायिक वर्ग

प्रश्न पत्र का शीर्षक - दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन, भाग - 1

अधिकतम अंक - 50

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई -1

प्रश्न - 1 . माध्यमोपयोगी लेखन का आशय स्पष्ट करते हुए, उसके स्वरुप पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए। (10)

अथवा

माध्यमोपयोगी लेखन क्या है ? इसके प्रमुख प्रकारों के बारे में लिखिए।

इकाई – 2

प्रश्न -2 . रेडियो - नाटक क्या है ? रेडियो - नाटक के इतिहास पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए। (10)

अथवा

रेडियो - नाटक के इतिहास के बारे में लिखते हुए रेडियो - नाटक एवं पाठ्य नाटक में अंतर स्पष्ट करिये।

इकाई - 3

प्रश्न - 3 . टी. वी. नाटक की तकनीक पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए। (10)

अथवा

टेलीड्रामा , टेलीफिल्म , डॉक्यूड्रामा तथा टी. वी. धारावाहिक में साम्य - वैषम्य स्पष्ट करिये।

इकाई - 4

प्रश्न - 4 . साहित्यिक विधाओं के दृश्य - श्रव्य माध्यमों से प्रस्तुति में कौन कौन से गुणों का होना आवश्यक है ? विस्तारपूर्वक लिखिए। (10)

अथवा

नाट्य विधा का रेडियो नाट्य रूपांतरण कैसे किया जाता है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

इकाई - 5

प्रश्न. - 5 अनुवाद से क्या आशय है ? वैज्ञानिक, तकनीकी एवं साहित्यिक अनुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिये। (10)

अथवा

कोष एवं पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण से सम्बंधित समस्याओं के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म. प्र.)

पेपर कोड - 201260

कक्षा- एम. ए. उत्तरार्द्ध, **विषय - हिंदी**

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020 -21

प्रश्न पत्र क्र. - अष्टम (वैकल्पिक) (ख) व्यावसायिक वर्ग

प्रश्न पत्र का शीर्षक - दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन, भाग - 2

अधिकतम अंक - 50

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई - 1

प्रश्न -1 . हिंदी माध्यम लेखन पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिये। (10)

अथवा

हिंदी माध्यम लेखन क्या है ? इसके इतिहास के बारे में लिखिए।

इकाई- 2

प्रश्न -2. रेडियो नाटक का परिचय देते हुए, इसके प्रमुख भेदों पर विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए। (10)

अथवा

टिप्पणी लिखिए (**किन्हीं दो**)

1 . रेडियो फेंटेसी

2 . संगीत रूपक

3. आलेख रूपक

इकाई - 3

प्रश्न - 3 . सोशल मिडिया के विभिन्न प्रकारों पर विस्तारपूर्वक लिखिए। (10)

अथवा

मिडिया विमर्श से क्या आशय है ? सोशल मिडिया के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए।

इकाई - 4

प्रश्न. - 4 . इलेक्ट्रॉनिक मिडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन - संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्राविधि के बारे में उत्तर लिखिए। (10)

अथवा

विज्ञापन फिल्मों की प्राविधि पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिये।

इकाई -5

प्रश्न - 5 . संचार माध्यमों की भाषा पर विस्तृत प्रकाश डालिये। (10)

अथवा

हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियों के बारे में लिखिए।

छिन्दवाडा विश्वविधायलय छिन्दवाडा (मध्य–प्रदेश)

पेपर कोड 201261
कक्षा एम ए उत्तरार्ध्द
प्रश्न पत्र क्रमांक ग्रुप बी

विषय हिन्दी
प्रश्न पत्र का शीर्शक अनुवाद विज्ञान भाग 1

नोट– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई 1

प्रश्न 1 अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप व क्षेत्र पर प्रकाश डालिये।

अथवा

अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसकी सीमांए लिखकर अनुवाद के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

इकाई 2

अनुवाद कला,विज्ञान या शिल्प है'' स्पष्ट कीजिये।

अथवा

अनुवाद की इकाई,शब्द,पदबंध,वाक्य पाठ पर प्रकाश डालिये।

इकाई 3

अनुवाद की प्रकिया और प्रनिधि को स्पष्ट करते हुए विश्लेषन एंव पुनर्गठन पर प्रकाश डालिये।

अथवा

अनुवाद प्रकिया के विभिन्न चरणो का उल्लेख करते हुए स्रोत्र भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना कीजिए।

इकाई 4

अनुवाद के क्षेत्र एंव प्रकार पर प्रकाश डालते हुए मानविकी संचार माध्यम को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अथवा कार्यालयीन अनुवाद,वैज्ञानिक अनुवाद एंव तकनीकी साहित्यिक अनुवाद का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

इकाई 5

सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याओ का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

अथवा

कोष एंव पारिभाषिक शब्दावली तथा विज्ञापन मे अनुवाद की समस्याओ पर प्रकाश डालिये।

छिन्दवाडा विश्वविधायलय छिन्दवाडा (मध्य–प्रदेश)

पेपर कोड 201262 विषय हिन्दी
कक्षा एम ए उत्तरार्ध्द प्रश्न पत्र का शीर्शक अनुवाद विज्ञान भाग 2
प्रश्न पत्र क्रमांक ग्रुप बी
नोट– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई 1

प्रश्न 1 अनुवाद का स्वरूप,क्षेत्र प्रकिया एंव प्रविधि पर प्रकाश डालिये।

अथवा

हिन्दी की प्रयोजनीयता मे अनुवाद की भुमिका को स्पष्ट कीजिए।

इकाई 2

अनुवाद के क्षेत्र का उल्लेख करते हुए हिन्दी और अनुवाद को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वाणिज्यिक अनुवाद और प्रौधोगिकी,क्षेत्र मे अनुवाद की तुलना कीजिए।

इकाई 3

अनुवाद के प्रकार का वर्णन करते हुए विज्ञापन मे अनुवाद को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पदनामो,अनुभागो,दस्तावेजो एंव प्रतिवेदनो मे अनुवाद का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

इकाई 4

बैंक साहित्य के अनुवाद मे दुभाशिया अनुवाद को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

जनसंचार माध्यमो में अनुवाद की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

इकाई 5

साहित्यिक अनुवाद मे सिंध्दांत एंव व्यवहार पर प्रकाश डालिये।

अथवा

कविता,कहानी एंव नाटक में अनुवाद का मूल्यांकन कीजिए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा(म.प्र.)

पेपर कोड : 201263

कक्षा : एम.ए.(उत्तरार्द्ध) स्वाध्यायी 2020-21 विषय: हिंदी

प्रश्नपत्र क्रमांक : सप्तम प्रश्नपत्र : वैकल्पिक(ग) लोक साहित्य (लोक साहित्य एवं लोक नाट्य)

अधिकतम अंक - (50)

नोट:- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई-(I)

प्रश्न 1. लोक साहित्य की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को रेखांकित कीजिए।

अथवा

भारत में लोक साहित्य के अध्यन के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

इकाई-(II)

प्रश्न 2. लोक साहित्य के प्रमुख रूपो का उल्लेख सोदाहरण कीजिए।

अथवा

लोक गीत तथा लोक गाथा में अंतर स्पष्ट करते हुए लोक गाथा की प्रमुख विशेषता लिखिए।

इकाई-(III)

प्रश्न 3. लोक नाट्य परंपरा में रामलीला और रासलीला पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मध्य प्रदेश के प्रमुख लोक नाट्य को समझाइए।

इकाई-(IV)

प्रश्न 4. लोक नाटक की परंपरा और प्रविधि को समझाइए।

अथवा

हिंदी नाटक रंगमंच पर लोक नाटकों का प्रभाव स्पष्ट कीजिए।

इकाई-(V)

प्रश्न 5. लोक कथाओं से क्या अभिप्राय है ? इसके विविध स्वरूपों का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

परा कथाओं का सामाजिक चिंतन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? समझाइए।

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा(म.प्र.)

पेपर कोड : 201264

कक्षा : एम.ए.(उत्तरार्द्ध) स्वाध्यायी 2020-21 विषय: हिंदी

प्रश्नपत्र क्रमांक : अष्टम प्रश्नपत्र : वैकल्पिक(ग) लोक साहित्य (गाथा, संगीत एवं लोक भाषण)

अधिकतम अंक - (50)

नोट:- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई-(I)

प्रश्न 1. लोक गाथा की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

अथवा

लोरिक-चंदा की लोक गाथा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

इकाई-(II)

प्रश्न 2. लोक संगीत की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लोक वाद्य तथा वरिष्ठ लोक धुनों के संबंधों को समझाइए।

इकाई-(III)

प्रश्न 3. मध्य प्रदेश के प्रमुख लोक नृत्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

लोकनाट्य का विश्लेषण करते हुए उसमें लोक तत्व की विद्यमानता प्रतिपादित कीजिए।

इकाई-(IV)

प्रश्न 4. लोक भाषाओं में मुहावरों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मुहावरे और कहावतो में अंतर स्पष्ट कीजिए।

इकाई-(V)

प्रश्न 5. जनपदीय भाषाओं के लोक साहित्य की विशेषताओं को समझाइए।

अथवा

खड़ी बोली, बघेली या मालवी में से किसी एक लोक भाषा का संक्षिप्त विवरण दीजिए।